तुलसी प्रज्ञा २००६ ०४ (फोल्डर नं. ०२४५५३)

सम्पादक

डॉ. शान्ता जैन (मुमुक्षु) – हिन्दी

डॉ. जगत राम भट्टाचार्य - अंग्रेजी

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

जैन तत्त्वमीमांसा की विकासयात्रा ऐतिहासिक – प्रो. सागरमल जैन ---------- १

जैन वाडमय में अष्टमंगल – एक विवेचन – डॉ. हरिशंकर पाण्डेय ---------- ११

भारतीय दर्शन में कारण – कार्यवाद – डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ---------- २७

जैन आगमों में वाणी – विवेक के सूत्र – मुनि विनोद कुमार ---------- ३९

भारतीय संस्कृति में श्रमण संस्कृति का योगदान – योगेश कुमार जैन ---------- ५१

गाँधी एवं मार्क्स – एक विश्लेषण – ओम कंवर राठौड ---------- ६१

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna ---------- 77

Some problems raised by the – Sten Konow ---------- 89

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org